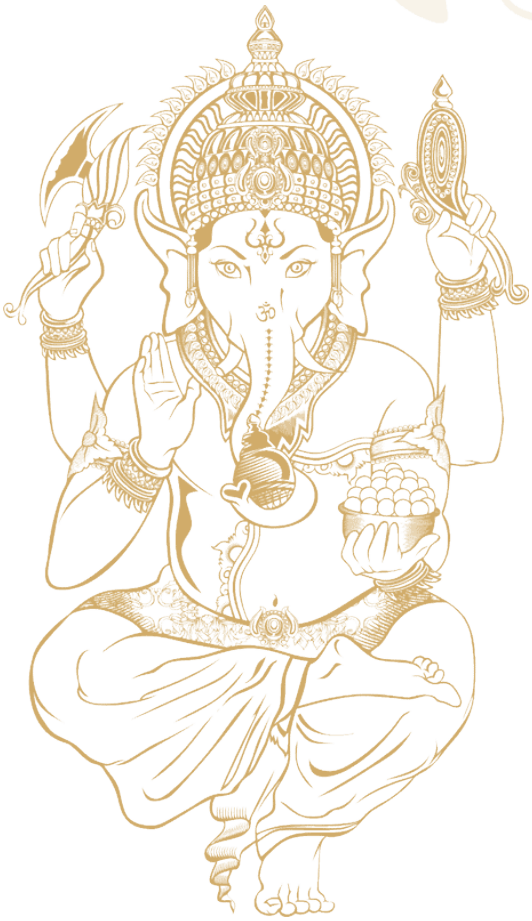

Mr.pawan devgan

Ms.navpreet

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120147001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120147001 Date: 14/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/09/1999	जन्म तिथि	14/11/2000
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 12:05:00	जन्म समय	23:00:00 घंटे
घटी 15:01:29	जन्म समय(घटी)	40:41:40 घटी
India	देश	India
New Delhi	स्थान	Amritsar
28:36:00 उत्तर	अक्षांश	31:35:00 उत्तर
77:12:00 पूर्व	रेखांश	74:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:12	स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:24	सूर्योदय	06:57:36
18:30:26	सूर्यास्त	17:31:45
23:50:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:51
वृश्चिक	लग्न	कर्क
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कन्या	राशि	मिथुन
बुध	राशि-स्वामी	बुध
चित्रा	नक्षत्र	आर्द्रा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	1
शुक्ल	योग	सिद्ध
तैतिल	करण	बव
पे-पेशवा	जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	श्वान
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 11मा 21दि		12:28:53	वृश्चि		लग्न		कर्क	16:30:41	राहु 17वर्ष 9मा 10दि	
गुरु		25:13:04	सिंह		सूर्य		तुला	28:47:14	गुरु	
03/09/2024		23:22:40	कन्या		चंद्र		मिथु	06:49:49	26/08/2018	
03/09/2040		12:11:16	वृश्चि		मंगल		कन्या	12:40:41	26/08/2034	
गुरु	22/10/2026	28:29:16	सिंह		बुध		तुला	09:35:43	गुरु	14/10/2020
शनि	04/05/2029	10:35:27	मेष	व	गुरु	व	वृष	14:04:17	शनि	27/04/2023
बुध	10/08/2031	24:58:09	कर्क		शुक्र		धनु	08:05:52	बुध	02/08/2025
केतु	16/07/2032	23:10:37	मेष	व	शनि	व	वृष	04:01:01	केतु	09/07/2026
शुक्र	17/03/2035	18:35:53	कर्क	व	राहु	व	मिथु	22:55:25	शुक्र	09/03/2029
सूर्य	03/01/2036	18:35:53	मक	व	केतु	व	धनु	22:55:25	सूर्य	26/12/2029
चन्द्र	04/05/2037	19:40:11	मक	व	हर्ष		मक	23:11:11	चन्द्र	27/04/2031
मंगल	10/04/2038	08:00:23	मक	व	नेप		मक	10:10:49	मंगल	02/04/2032
राहु	03/09/2040	14:03:00	वृश्चि		प्लूटो		वृश्चि	18:06:49	राहु	26/08/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:51

लग्न-चलित

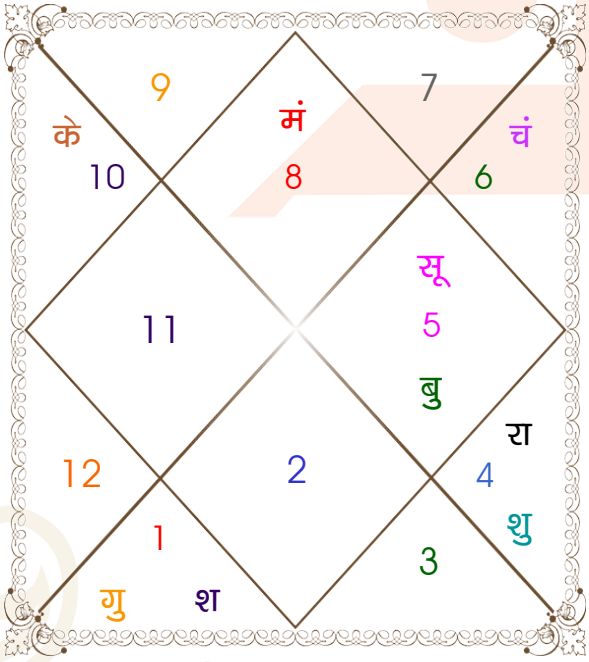

लग्न-चलित

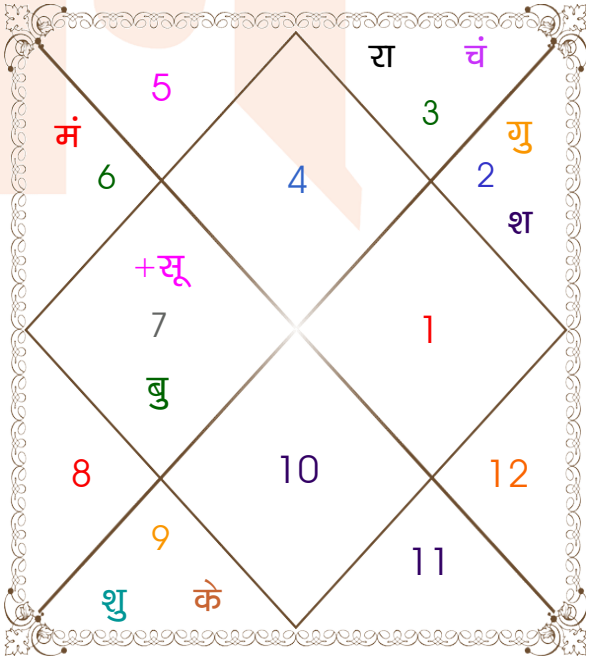

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

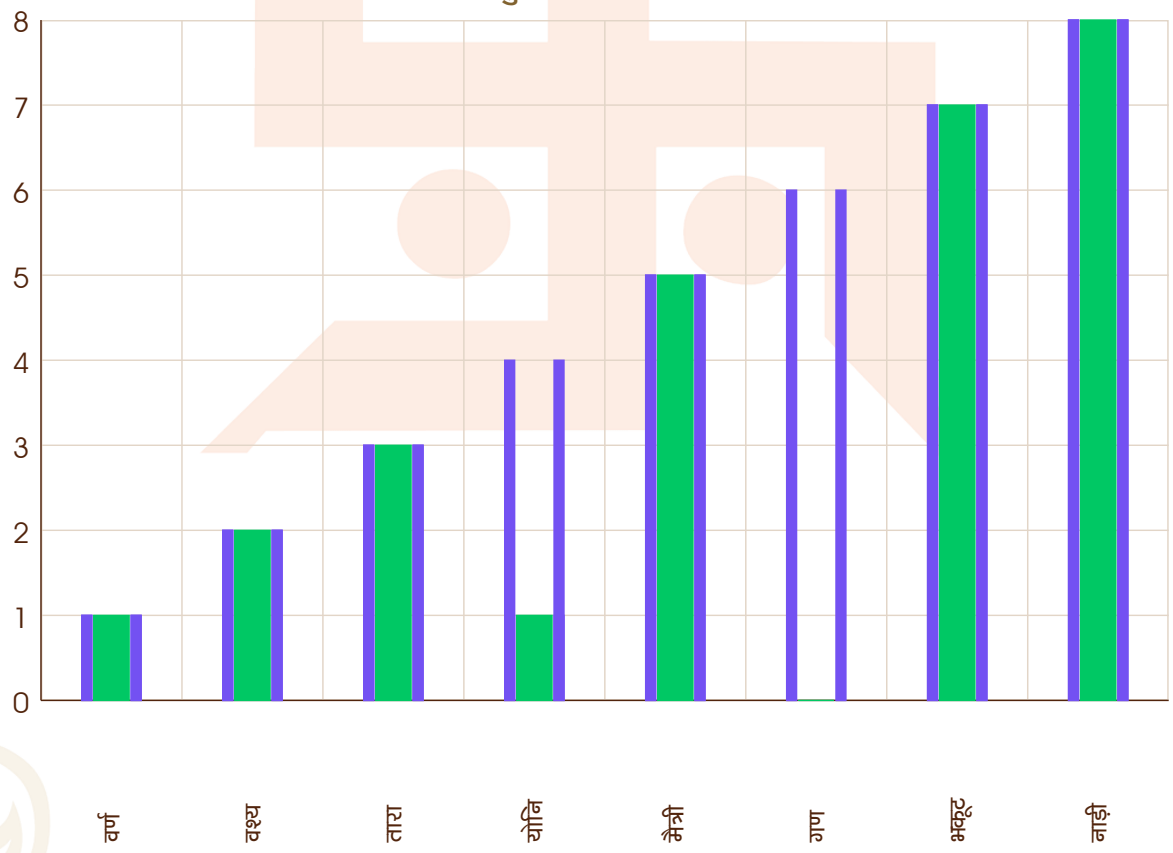

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्चूंद कमअहंद का वर्ग मूषक है तथा डेण्दंअचतममज का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्चूंद कमअहंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल डतण्चूंद कमअहंद कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्दंअचतममज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्दंअचतममज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्चूंद कमअहंद तथा डेण्दंअचतममज में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्चूंद कमअहंद का वर्ण वैश्य है तथा डेण्दंअचतममज का वर्ण शूद्र है। इसमें डेण्दंअचतममज का वर्ण डतण्चूंद कमअहंद के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप डेण्दंअचतममज अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए डेण्दंअचतममज हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

डतण्चूंद कमअहंद का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण्दंअचतममज का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। डतण्चूंद कमअहंद एवं डेण्दंअचतममज दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

डतण्चूंद कमअहंद की तारा अतिमित्र तथा डेण्दंअचतममज की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। डतण्चूंद कमअहंद हमेशा डेण्दंअचतममज के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

डतण्चूंद कमअहंद की योनि व्याघ्र है तथा डेण्दंअचतममज की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र

की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्चूंद कमअहंद एवं डेण्दंअचतममज दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्चूंद कमअहंद एवं डेण्दंअचतममज दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

डतण्चूंद कमअहंद का गण राक्षस है तथा डेण्दंअचतममज का गण मनुष्य है। अर्थात डेण्दंअचतममज का गण डतण्चूंद कमअहंद के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

डतण्चूंद कमअहंद से डेण्दंअचतममज की राशि दशम भाव में स्थित है तथा डेण्दंअचतममज से डतण्चूंद कमअहंद की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्चूंद कमअहंद एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। डेण्दंअचतममज को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। डेण्दंअचतममज हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण्चूंद कमअहंद की नाड़ी मध्य है तथा डेण्दंअचतममज की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का

संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्चूंद कमअहंद की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा डेण्दंअचतममज की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। यद्यपि पृथ्वी तत्व एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता का भाव रहता है परन्तु कन्या मिथुन में राशीश की समानता के कारण इनमें स्वाभाविक गुणों में समानता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की प्राप्ति होगी। अतः परस्पर मिलान अनुकूल रहेगा।

डतण्चूंद कमअहंद की जन्मराशि एवं डेण्दंअचतममज की जन्मराशि दोनों का स्वामी बुध है। अतः इसके शुभ प्रभाव से डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज के मध्य प्रेम, सहानुभूति सहयोग तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा तथा एक दूसरे की सुख दुख में सहायता के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। ये दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः परस्पर समानता एवं स्नेह का भाव रहेगा एवं सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती हैं। इसे शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज जीवन में सुख संसाधनों को अर्जित करने में प्रवृत रहेंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही इनके मध्य परस्पर सामंजस्य का भाव भी रहेगा फलतः एक दूसरे को भली प्रकार समझने में समर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में प्रबल समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे।

डतण्चूंद कमअहंद का वर्ण वैश्य तथा डेण्दंअचतममज का वर्ण शूद्र है। अतः डतण्चूंद कमअहंद की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वणिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही डेण्दंअचतममज बिना किसी चुनाव के किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी जिससे इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

डतण्चूंद कमअहंद का जन्म अतिमित्र तथा डेण्दंअचतममज का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से डेण्दंअचतममज एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा डेण्दंअचतममज के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

डतण्चूंद कमअहंद की नाड़ी मध्य तथा डेण्दंअचतममज की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु डेण्दंअचतममज के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण्दंअचतममज के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण्दंअचतममज को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण्दंअचतममज को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्चूंद कमअहंद और डेण्दंअचतममज का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्दंअचतममज के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही

अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डेण्दंअचतममज अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डेण्दंअचतममज पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डेण्दंअचतममज अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

डतण्चूंद कमअहंद तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में डतण्चूंद कमअहंद के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से डतण्चूंद कमअहंद के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण डतण्चूंद कमअहंद के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।